मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 293 ■ सोमवार 23 फरवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com FOLLOW US Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

शास्त्रीय नृत्य गांव तक ले जाऊंगी -मीनाक्षी शेषाद्री

उल्हासनगर में पानी हुआ महंगा

नलों में पानी नहीं, लेकिन बिल बढ़ा! पहली आम सभा में नई सत्ता का आम जनता को झटका

- **गंदी और अनियमित पानी की सप्लाई जारी**
- **फिर भी पानी के दरों में की गई वृद्धि**

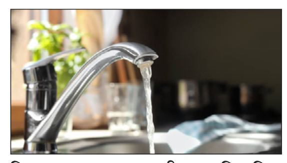

उल्हासनगर. नलों में पानी नहीं, लेकिन बिल बढ़ा! गंदी, अनियमित और कम प्रेशर वाली पानी की सप्लाई से परेशान उल्हासनगर के लोगों पर पहली आम सभा में रेट बढ़ाने का फैसला थोप दिया गया। जैसे ही प्रशासन ने सीधे पानी के बिल में दो या तीन गुना बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा, सभा में गुस्सा भड़क गया।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में नगरसेवकों ने एक साथ अधिकारियों को आड़े हाथों लिया, आम सभा में हंगामा हुआ और आखिर में बड़ी कीमत बढ़ोतरी को रोकते हुए थोड़ी बढ़ोतरी को मंज़ूरी दे दी गई। हालांकि, पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन पूरे शहर में यह भावना फैल गई है कि सत्ताधारी पार्टी ने लोगों की जेब काटी है।

उल्हासनगर मनपा की जनरल मीटिंग में पानी के टैरिफ बढ़ाने का मुद्दा छाया रहा और हॉल में खूब हंगामा हुआ। मनपा प्रशासन की तरफ से पेश किए गए डबल-ट्रिपल टैरिफ बढ़ाने के प्रपोज़ल से कॉर्पोरेटर्स में ज़बरदस्त गुस्सा दिखा। खराब पानी, अनियमित सप्लाई, फटी पाइपलाइन, लो प्रेशर और बड़े पैमाने पर पानी लीकेज के बैकग्राउंड में, कॉर्पोरेटर्स ने टैरिफ बढ़ाने का एकमत से विरोध दिखाने की कोशिश की।

सभागृह में नगरसेवकों ने एक के बाद एक गंभीर मुद्दे उठाए। शहर के कई हिस्सों में पानी सिर्फ़ एक दिन छोड़कर आता है, और वह भी तय समय पर नहीं। लीकेज की वजह से 30 से 40 परसेंट पानी बर्बाद हो जाता है। बताया गया कि कई लोगों को टैंकर के लिए 750 रुपये तक देने पड़ते हैं। कुछ घरों को दो पानी के बिल आने और गिरी हुई इमारतों पर टैक्स वसूलने का मुद्दा भी उठाया गया। 78 में से आधे से ज़्यादा कॉर्पोरेटर्स ने आरोप लगाया कि वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट के अधिकारी और कर्मचारी अनुशासनहीन हैं और लोगों के कॉल भी नहीं उठाते।

कुछ नगरसेवकों ने यह भी मांग की, "पहले पानी की सप्लाई की समस्याओं को हल करो, फिर टैरिफ बढ़ाओ।" हालांकि, आखिर में समझौते का प्रस्ताव देकर पानी के टैरिफ में बढ़ोतरी लागू कर दी गई है।

इस बीच, कमिश्नर मनीषा अव्हाले ने पानी के सिस्टम में खराबी को माना और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सस्पेंशन की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। यह भी साफ किया गया कि पानी और टैक्स के बिल अलग-अलग नहीं भेजे जाएंगे। फिर भी, पानी के टैरिफ में बढ़ोतरी को मंजूरी मिलने से उल्हासनगर के लोगों में नाराजगी बढ़ गई है, जबकि पानी की सप्लाई की बुनियादी समस्याएं बनी हुई हैं।

प्रशासन का प्रस्ताव

■ प्रशासन के प्रस्ताव के मुताबिक, RCC घरों के लिए सालाना पानी का टैरिफ 3,600 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये, पतरे के घरों के लिए 1,800 रुपये से 6,500 रुपये और झोपड़ी वाले घरों के लिए 1,200 रुपये से 3,000 रुपये करने का प्रस्ताव था। इसके अलावा, प्रॉपर्टी रिकंस्ट्रक्शन, एडिशनल कंस्ट्रक्शन और दूसरी सिविक सर्विसेज़ के चार्ज में भी बड़ी बढ़ोतरी का सुझाव दिया गया था। प्रशासन का अनुमान है कि इन सभी कीमतों में बढ़ोतरी से महानगर पालिका को हर साल लगभग 90 करोड़ 83 लाख रुपये की अतिरिक्त आय होगी।

बढ़ोतरी को मंज़ूरी

■ गंभीर चर्चा के बाद, शिवसेना के ग्रुप लीडर अरुण आशान ने समझौते का प्रस्ताव रखा। इसके अनुसार, आम सभा ने सर्वसम्मति से RCC घरों के लिए 3,600 रुपये से 4,400 रुपये, कागज़ के घरों के लिए 1,800 रुपये से 2,400 रुपये और झोपड़ी और छप्पर वाले घरों के लिए 1,200 रुपये से 1,500 रुपये की सीमित कीमत बढ़ोतरी को मंज़ूरी दे दी.

उल्हासनगर मनपा की पहली महासभा अवैध?

- **BJP कॉर्पोरेटर संजय सिंह कोर्ट जाएंगे**

उल्हासनगर. BJP कॉर्पोरेटर संजय सिंह ने कहा है कि स्वीकृत नगरसेवकों के चुनाव से पहले हुई जनरल मीटिंग अवैध है। सिंह का यह आरोप कि इस गैर-कानूनी जनरल मीटिंग में पास किए गए प्रस्ताव अनधिकृत हैं.

उल्हासनगर मनपा प्रशासन को आम चुनाव के बाद पहली जनरल मीटिंग में म्युनिसिपल मेंबर में से 16 को स्टैंडिंग कमेटी मेंबर बनाना चाहिए। स्टैंडिंग कमेटी मेंबर, स्वीकृत नगरसेवक, विपक्षी गट नेता, प्रभाग समिति चेयरमैन वगैरह के चुनाव के बाद दूसरे मुद्दे जनरल मीटिंग टेबल पर रखे जाते हैं। म्युनिसिपल जनरल मीटिंग सीधे ऑर्गनाइज़ की गई और पहली मीटिंग में पानी का टैरिफ बढ़ाने का प्रस्ताव पास कर दिया गया. ऐसा कॉर्पोरेटर संजय सिंह का कहना है। सिंह ने शुक्रवार को हुई जनरल मीटिंग पर एतराज़ जताया और आरोप लगाया कि जनरल मीटिंग अवैध थी। इस समय म्युनिसिपल सेक्रेटरी अनंत जामवदार ने कहा कि मीटिंग वैलिड थी। इस पर सिंह ने कहा कि वे कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाएंगे।

बदलापुर में महिलाओं द्वारा स्त्रीबीज का गोरखधंधा

- **बदलापुर पुलिस और मेडिकल अधिकारियों ने छापेमारी की**
- **स्त्रीबीज गैरकानूनी तरीके से बेचे जा रहे**
- **उल्हासनगर की दो महिलाओं का समावेश**
- **आर्थिक तंगी के चलते किया कार्य**

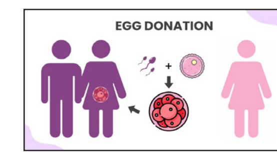

बदलापुर. बदलापुर में एक चौंकाने वाले रैकेट का पर्दाफाश हुआ है, जिसमें महिलाएं अपनी पैसे की तंगी का फायदा उठाकर गैर-कानूनी तरीके से उनके स्त्रीबीज बेच रही थीं। बदलापुर ईस्ट पुलिस और मेडिकल अधिकारियों ने मिलकर एक सोसाइटी के घर पर छापा मारा। शुरुआती जांच में पता चला है कि सुलक्षणा गाडेकर (निवासी जुवेली गांव, बदलापुर) ने अपने घर में स्त्रीबीज के लिए ज़रूरी इंजेक्शन गैर-कानूनी तरीके से रखे थे। जरूरतमंद महिलाओं को पैसे का लालच देकर बिना डॉक्टर की सलाह के सोनोग्राफी के ज़रिए इंजेक्शन दिए जाते थे। इसके बाद, अंडे बढ़ने के बाद, यह पता चला है कि संबंधित महिलाओं को IVF/ART सेंटर भेजा जाता था और ऑपरेशन थिएटर में स्त्रीबीज निकालकर बेचे जाते थे। इस मामले में बदलापुर ईस्ट पुलिस स्टेशन में सुलक्षणा गाडेकर, अश्विनी चाबुकस्वार (निवासी उल्हासनगर) और मंजूषा वानखड़े (निवासी उल्हासनगर) के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी के मोबाइल फोन में इंजेक्शन की तस्वीरें, सोनोग्राफी की तस्वीरें, नकली डॉक्यूमेंट्स और फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन की जानकारी मिली है। इस बीच, मुख्य आरोपी के पति ने सभी आरोपों से इनकार किया है और दावा किया है कि उसकी पत्नी को गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। ऐसा अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि इस मामले के पीछे किसी बड़े या इंटरनेशनल रैकेट का हाथ हो सकता है और पुलिस इसकी पूरी जांच कर रही है।

आवारा जानवरों के लिए शेल्टर होम बनाने की मांग

- **निखिल चौधरी ने दिया निवेदन**

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में सार्वजनिक स्थानों, स्कूल एवं सोसायटी बिल्डिंगों के आसपास आवारा कुत्ते बढ़ गए हैं. जिनकी दहशत से छोटे बच्चे, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिकों में डर का माहौल है. शहर में बढ़ रहे आवारा जानवरों के कारण शहरवासियों की सुरक्षा का प्रश्न निर्माण हो गया है. इसको देखते हुए शहर में एक एनिमल शेल्टर होम बनाने की मांग नगरसेवक निखिल सुनिल चौधरी ने नपा से की है. उन्होंने अंबरनाथ नपा नगराध्यक्ष, उप नगराध्यक्ष एवं मुख्याधिकारी को निवेदन दिया है. उन्होंने निवेदन में ये भी लिखा है कि कई स्थानों पर नागरिकों द्वारा प्राणियों के साथ अमानुष मारपीट की जाती है. ऐसी गई घटनाएं सामने आई हैं. उन्होंने एनिमल शेल्टर से कई फायदों को गिनाया है. आवारा प्राणियों को सुरक्षित निवारा एवं नियमित अन्न पानी मिलेगा. प्राणियों को समय पर उपचार और लसीकरण करने आसान हो जाएगा. आवारा जानवरों की संख्या नियंत्रित करने के लिए नसबंदी मुहिम शास्त्रीय पद्धित से किया जा सकेगा. नागरिक और प्राणी मित्र में संघर्ष कम होगा. शहर के सार्वजनिक सवास्थ्य में सुधार आएगा. उन्होंने निवेदन में विनती की है कि शहर के प्राणी मित्र, एनजीओ और सामाजिक कार्यकर्ताओं को विश्वास में लेकर इस विषय पर जल्द से जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाए. अंबरनाथ के चौतरफा विकास और प्रत्येक लोगों की सुरक्षा के लिए ये महत्वपूर्ण है.

डॉ. कन्हैयालाल नाथानी को स्वीकृत नगरसेवक बनाने की मांग

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा में जल्द ही स्वीकृत नगरसेवकों के चयन होने हैं ऐसे में भाजपा व शिवसेना पक्ष में नामों का चयन हो चुका है। बावजूद शहरवासी व कार्यकर्ता शहर में आम सभा के दौरान जनता का नेतृत्व करने के लिए डॉक्टर, इंजीनियर, रिटायर्ड अधिकारी को स्वीकृत नगरसेवक के रूप में देखना चाहते हैं जो आम जनता का कार्य कर सके ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा के पूर्व नगरसेवक डॉ. कन्हैयालाल नाथानी के नाम का सुझाव भाजपा वरिष्ठ नेताओं को दिया है जिन्होंने आरोग्य क्षेत्र में अपनी सेवाएं दी हैं और भाजपा से भी कई वर्षों से जुड़े हुए हैं। नगरसेवक होने के नाते उन्होंने आम जनता के लिए कई कार्य भी किए हैं। सरकारी अध्यादेश के अनुसार स्वीकृत नगरसेवक के लिए जो अनुभव व बड़ी संस्थाओं के कार्य हैं उसमें भी अनुभव होना चाहिए वो भी डॉ. कन्हैयालाल नाथानी के पास है। कई संस्थाओं से जुड़े हुए डॉ नाथानी ने आरोग्य ही नहीं शिक्षण व बैंकिंग क्षेत्र में भी कार्य किए हैं। भाजपा के डॉक्टर सेल के अध्यक्ष पद भी वो रह चुके हैं। ऐसे में उनको स्वीकृत नगरसेवक बनाने की मांग ने जोर पकड़ा है। अब भाजपा के आलाकमान क्या उनको इस बार मौका देते हैं यह तो समय ही बताएगा।

मनपा ने उल्हासनगर के बकायेदारों को दी चेतावनी

- **शहर के विकास के लिए टैक्स भरें, अन्यथा होगी सख्त कार्रवाई**

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा की कमाई का मुख्य ज़रिया घर मालिकों का डिपार्टमेंट है, जिससे टैक्स कलेक्शन कम होने से मनपा की आर्थिक हालत खराब है। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने नीलम कदम को बकाया टैक्स वसूलने के लिए सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। आयुक्त के आदेश के मुताबिक, प्रॉपर्टी सील करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है, जिससे शहर में हलचल मच गई है।

उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने बार-बार जुर्माने में छूट देकर अभय स्कीम लागू की थी। साथ ही, जागरूकता फैलाने के बावजूद कुछ पॉलिटिकल सपोर्ट वाले लोग टैक्स नहीं दे रहे थे। ऐसे में मनपा प्रशासन के लिए पैसे की कमी के चलते शहर का विकास और दूसरे काम करना मुश्किल हो रहा था। आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए मनपा आयुक्त ने बकाया टैक्स देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया।

आदेश के अनुसार, टैक्स डिपार्टमेंट की हेड नीलम कदम अपने साथियों के साथ दस जगहों पर सीज़ करने की कार्रवाई करने पहुंचीं। उनमें से तीन ने अगली तारीख के लिए चेक दिए, जबकि सात लोगों की प्रॉपर्टी सील कर दी गईं। अगले फेज़ में, मनपा प्रशासन प्रॉपर्टी नीलाम करने की कार्रवाई करेगी। हाउसिंग डिपार्टमेंट की हेड नीलम कदम ने कहा कि कमिश्नर मनीषा अव्हाले के आदेश के अनुसार यह कार्रवाई शुरू की गई है। नागरिकों को आगे आकर टैक्स देना चाहिए, जिससे शहर के विकास में मदद मिलेगी। अगर कोई दिक्कत है, तो वे प्रशासन से संपर्क करें, प्रशासन सहयोग करेगा। शहर के असरदार नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस काम में दबाव डालने के बजाय सहयोग करें।

TDR स्कैम को लेकर बच्चू कडू आक्रामक

उल्हासनगर. म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में कथित TDR स्कैम एक बार फिर सामने आया है। इस मामले में ठोस कार्रवाई न होने का हवाला देते हुए MLA ओम प्रकाश उर्फ बच्चू कडू ने सीधे मिनिस्ट्री पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। उन्होंने एक लेटर में बताया है कि वे 12 मार्च को अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी असीम गुप्ता के ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

बताया गया कि 28 अगस्त को हुई मीटिंग में TDR को सस्पेंड करने का ऑर्डर दिया गया था। जिसमें से सिर्फ TDR नंबर 14 को सस्पेंड किया गया। TDR नंबर 17 और 18 के बारे में अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। खासकर, संबंधित TDR की बिक्री पर आधारित कंस्ट्रक्शन को भी सस्पेंड न किए जाने से शक और गहरा हो गया है, ऐसा कडू ने कहा। इस बारे में प्रहार जनशक्ति पार्टी के ठाणे डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट एड. स्वप्निल पाटिल ने भी 13 फरवरी को लेटर लिखकर कार्रवाई की मांग की थी। बार-बार बातचीत के बाद भी प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है, इसलिए बच्चू कडू ने विरोध का रास्ता अपनाया है। ऐसे में अब सबका ध्यान इस बात पर है कि मंत्रालय और नगर निगम प्रशासन की क्या भूमिका होगी।

उल्हासनगर में पानी की मेन पाइपलाइन फटी

उल्हासनगर. पाले-वासरगांव इलाके में महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की मेन पानी की पाइपलाइन अचानक फट गई. इस टेक्निकल खराबी की वजह से, रिपेयर के लिए पंपिंग तुरंत रोक दी गई और लोगों को कुछ घंटों तक पानी की दिक्कत का सामना करना पड़ा। MIDC अधिकारियों की दी गई जानकारी के मुताबिक, संबंधित पानी की पाइपलाइन की रिपेयर का काम तुरंत शुरू कर दिया गया है और इसके लिए पानी की सप्लाई रोक दी गई। इस खराबी का सीधा असर पाले टैपिंग और फॉरेस्ट नाका टैपिंग से होने वाली पानी की सप्लाई पर पड़ा, और इस रास्ते पर लोगों को कम प्रेशर से पानी की सप्लाई मिला.

राशन दुकानों में कालाबाजारी के जिम्मेदार भ्रष्ट अधिकारी

- **जांच करके कार्रवाई की मांग**
- **राशन अधिकारी रिश्वत लेते हैं - नगरसेवक वकास हेमराज**

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगरसेवक क्षेत्र में राशन दुकानों में हो रही कालाबाजारी के विरुद्ध धड़क कार्रवाई एवं जांच प्रक्रिया में हुआ गंभीर पैसों का व्यवहार और भ्रष्टाचार बाबत जांच करके राशन कार्यालय के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई करके फौजदारी अपराध दर्ज करने की मांग अंबरनाथ शिवसेना के नगरसेवक विकास हेमराज सोमेश्वर ने अन्न व नागरिक वितरण मंत्री से एक पत्र देकर की है. उन्होंने सबूतों के आधार पर ये आरोप लगाया है कि शहर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राशन दुकानदार अधिकारियों के बलबूते पर भ्रष्टाचा एवं कालाबाजारी कर रहे हैं. विकास ने संबंधित अधिकारी शशिकांत पाटसुटे, सतीश खरात, प्रभाकर चौगुले, संदीप खंडारे ने राशन की कालाबाजारी करने वालों दुकानों को निर्दोष करार दिया है. आरटीआई से मिले सबूत के अनुसार कुल 59 दुकानों में से 10 से 12 दुकानों की जांच की गई. इसमें से भी 5-6 दुकानों पर कार्रवाई बताई गई है. वरिष्ठ अधिकारियों ने राशन दुकान क्र. 46 एफ 63, 75, 113, 24, 17, 25, 26, 70 की सही जांच करके कार्रवाई की मांग की है. दोषी दुकानदारों का परवाना रद्द करने की मांग पत्र में की गई है. उन्होंने ये भी आरोप लगाया है कि अधिकारी एवं उनके वरिष्ठ अधिकारी दुकानदारों से पैसे वसूल करते हैं. विकास हेमराज ने अधिकारी को सन 2022 में 10 हजार रुपए गूगल-पे किया था. उसकी कापी पत्रकारों को बताता हुए कहा 2022 में उन्होंने राशनिंग कैम्प लगाया था. उस समय पाटसुटे अधिकारी में 10 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी, जो उन्होंने दिए थे. उन्होंने ये भी आरोप लगाया है कि दुकानों में लोगों को राशन का अनाज कम दिया जाता है क्योंकि अधिकारी दुकानदार से रिश्वत लेते हैं. विकास ने छोटे से बड़े अधिकारी की जांच करके उन पर कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने पत्र की कापी नियंत्रक अधिकारी मुंबई, उप नियंत्रक अधिकारी ठाणे, ठाणे क्राइम ब्रांच , उप नियंत्रण एफ डिवीजन को रवाना किया है.

अंबरनाथ में दोहरे पावर सेंटर से जूझ रहा प्रशासन

- **अलग-अलग मीटिंग से एडमिनिस्ट्रेशन पर दबाव**

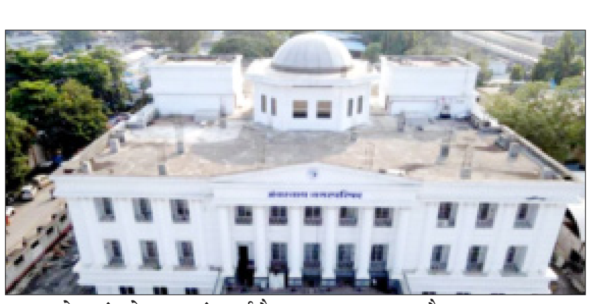

अंबरनाथ. अंबरनाथ म्युनिसिपैलिटी में पावर शेयरिंग की पहेली अभी तक सुलझी नहीं है, इसलिए एक तस्वीर सामने आई है कि असल में म्युनिसिपैलिटी में दो पावर सेंटर काम कर रहे हैं। एक तरफ BJP मेयर तेजश्री करंजुले का ग्रुप, तो दूसरी तरफ शिंदे के शिवसेना ग्रुप के साथ डिप्टी मेयर सदाशिव पाटिल का असर दिख रहा है। इस दोहरे लीडरशिप के कारण म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन को कोऑर्डिनेशन बनाए रखने में मुश्किल हो रही है।

अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल में पावर का संघर्ष अभी थमा नहीं है। भले ही यहां BJP का मेयर है, लेकिन शिंदे की शिवसेना बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गई है। हालांकि, नेशनलिस्ट कांग्रेस (अजीत पवार) पार्टी के सदस्य सही समय पर BJP छोड़कर शिंदे की शिवसेना में कूद गए, जिससे दुविधा पैदा हो गई। किसका ग्रुप बड़ा और ज़्यादा अधिकार वाला है, यह विवाद अभी भी कोर्ट में है। इसलिए, एडमिनिस्ट्रेटिव मामले अब रिव्यू मीटिंग तक ही सीमित रह गए हैं। चर्चा है कि शहर में दो पावर सेंटर होने की वजह से नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों पर दबाव पड़ रहा है।

पिछले कुछ दिनों में, मेयर तेजश्री करंजुले ने अपने कॉर्पोरेटर्स के साथ शहर की समस्याओं पर रिव्यू मीटिंग शुरू की हैं। इस बीच, शिवसेना आघाड़ी के डिप्टी मेयर सदाशिव पाटिल ने भी रिव्यू मीटिंग करना शुरू कर दिया है। नगर पालिका के हलकों में यह अफवाह है कि चूंकि दोनों ग्रुप कॉर्पोरेटर्स के साथ अलग-अलग मीटिंग कर रहे हैं, इसलिए एडमिनिस्ट्रेशन पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। हालांकि इन मीटिंग में शहर के अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा होती है, लेकिन नगर पालिका में चर्चा है कि कई बार कोई ठोस फैसला नहीं लिया जाता है।

सूत्रों का कहना है कि अधिकारियों का बहुत सारा समय मीटिंग में जा रहा है और असल में लागू करने में बहुत कम प्रोग्रेस हो रही है। हालांकि, लोगों के प्रतिनिधि होने के नाते, अधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वे सभी को उचित न्याय और सम्मान दें। इसलिए, अधिकारी, कर्मचारी और उनकी मशीनरी इन मीटिंग में हिस्सा ले रहे हैं। हालांकि, अधिकारियों को अक्सर इन मीटिंग में अंदरूनी झगड़ों का सामना करना पड़ता है।

NOC प्रपोज़ल पर विवाद हाल ही में म्युनिसिपल हॉल में हुई मीटिंग में डिप्टी मेयर सदाशिव पाटिल ने यह प्रपोज़ल रखा कि वार्ड में काम करने वाले डेवलपर्स के लिए संबंधित कॉर्पोरेटर्स से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) लेना ज़रूरी कर दिया जाए। हालांकि, यह प्रपोज़ल कुछ शिवसेना कॉर्पोरेटर्स को नामंज़ूर लगा, जिससे मीटिंग में गरमागरम बहस हुई। ग्रुप लीडर्स के दखल के बाद, प्रपोज़ल को आखिरकार रिजेक्ट कर दिया गया।

खबर है कि मीटिंग के दौरान हुए हंगामे की वजह से चीफ ऑफिसर उमाकांत गायकवाड़ को भी मीटिंग छोड़नी पड़ी। जब चीफ ऑफिसर उमाकांत गायकवाड़ से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि म्युनिसिपैलिटी में फ़ैसले सिर्फ़ नियम-कानूनों और पॉलिसी मामलों के हिसाब से ही लागू किए जाएंगे। उन्होंने साफ़ किया कि गैर-ज़रूरी या अधिकार क्षेत्र से बाहर के मामलों को मंज़ूरी नहीं दी जाएगी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

मोतियाबिंद शिविर बना त्रासदी

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक स्वास्थ्य शिविर में मोतियाबिंद के आपरेशन के बाद संक्रमण से नौ मरीजों की एक आंख निकालनी पड़ी और नौ अन्य की एक आंख की रोशनी चली गई। यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। इस शिविर का आयोजन एक स्थानीय निजी अस्पताल की ओर से किया गया था और यहां कई लोगों ने 'आयुष्मान भारत' योजना के तहत आंख के आपरेशन कराए। प्रारंभिक जांच-पड़ताल के बाद स्थानीय प्रशासन ने माना कि इन मामलों में गंभीर चूक हुई है।

सामान्यतः चिकित्सक मरीज के मर्ज को ठीक कर उसके जीवन को बेहतर बनाता है, इसलिए उसे ईश्वर का दूसरा रूप भी कहा जाता है। ऐसे में किसी चिकित्सक या उनके सहायक की इस तरह की लापरवाही को किस तरह देखा जाएगा। यह घटना इस बात को भी उजागर करती है कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़े अमले में कर्तव्य के प्रति कोताही और असंवेदनशीलता की जड़ें किस तरह गहरी होती जा रही हैं। यह घटना कोई पहला मामला नहीं है। मोतियाबिंद के आपरेशन के बाद संक्रमण से आंखों की रोशनी खत्म हो जाने के मामले देश भर में अक्सर सामने आते रहते हैं। चाहे सरकारी अस्पताल हों या निजी, इस तरह की लापरवाही अब आम बात हो गई है। गोरखपुर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में करीब तीस मरीजों की आंख का आपरेशन किया गया था, जिसके बाद चौबीस घंटे के भीतर अठारह मरीजों की आंख में संक्रमण हो गया। सवाल है कि इस तरह की घटनाओं पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है?

हालांकि ऐसे मामलों में स्पष्ट कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन साफ है कि उन पर कड़ाई से अमल नहीं हो पा रहा है। अक्सर देखा गया है कि इस तरह की घटनाओं में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बजाय पीड़ित के जख्मों पर मामूली मुआवजे का मरहम लगाकर मामले को निपटा दिया जाता है, जिस कारण व्यवस्था में कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने का आलम जस का तस बना रहता है। जाहिर है, जब तक चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, तब तक स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

विचार : अवसर के साथ चुनौती भी है एआई

दिल्ली में संपन्न एआई इंपैक्ट समिट ने जिस तरह दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया, उससे इस सम्मेलन की महत्ता रेखांकित होती है। एआई पर अब तक हुए तीन वैश्विक सम्मेलनों की तुलना में इस सम्मेलन में जिस तरह एआई कंपनियों के दिग्गजों, शासनाध्यक्षों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ अन्य लोगों की कहीं अधिक भागीदारी रही, उससे भी यह सम्मेलन उपयोगी सिद्ध हुआ। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इस संबोधन से एआई तकनीक के उपयोग को लेकर एक नई दिशा देने की कोशिश की कि एआई को मशीन से मानव केंद्रित बनाने के साथ उसे जवाबदेह, सुरक्षित, लोकतांत्रिक और समावेशी रूप देना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई को लेकर भारत की प्राथमिकता रेखांकित करने के साथ ही विश्व समुदाय को एक विजन भी दिया, जिसे उन्होंने एमएएनएवी यानी "मानव" की संज्ञा दी। उन्होंने इसे परिभाषित करते हुए बताया कि एम यानी मारल एंड एथिकल, ए यानी एकाउंटेबल, एन यानी नेशनल सावरनिटी, ए अर्थात एक्सेसिबल एंड इंक्लूसिव और वी यानी वैलिड एंड लेजिटिमेट। इसका आशय है कि एआई नैतिक, जवाबदेह होने के साथ, जिसका डाटा उसके अधिकार को सुनिश्चित करने के साथ ही सबकी पहुंच में हो और वैध एवं प्रामाणिक भी हो।

चूंकि भारत एआई में भविष्य देख रहा है, इसलिए भारत सरकार एआई पर निवेश को प्रोत्साहित कर रही है और इस कोशिश में है कि दुनिया भर की एआई कंपनियां

भारत के साथ मिलकर काम करें। इस एआई सम्मेलन ने स्पष्ट किया कि भारत की तकनीकी क्षमता से दिग्गज एआई कंपनियां प्रभावित हैं। उन्हें भारत अपने लिए एक बड़ा बाजार भी दिख रहा है और मानव संसाधनों का स्रोत भी। अमेरिका के बाद चैटजीपीटी के सबसे अधिक उपभोक्ता भारत में हैं। इसे छात्रों से लेकर उद्योग जगत के लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत में चैटजीपीटी के साथ अन्य एआई टूल के उपयोगकर्ता तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि सरकार भी एआई टूल्स के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। उसकी कोशिश है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग जगत के साथ शासन-प्रशासन और अन्य अनेक क्षेत्रों में भी एआई का इस्तेमाल हो।

यह अच्छा है कि भारत एआई की महत्ता को समझ रहा है। इस बजट में घोषणा की गई है कि सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सेवा क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा के लिए एक समिति गठन करेगी। इसके अलावा बजट में वित्त मंत्री ने 'भारत विस्तार' नाम से एक नई पहल का एलान किया, जो किसानों के लिए एआई आधारित बहुभाषी सिस्टम होगा। बजट से पहले पेश आर्थिक समीक्षा में भी एआई को एक आर्थिक रणनीति के रूप में देखा गया। यह स्पष्ट है कि जैसे इंटरनेट के उपयोग में भारत अग्रणी देशों में है, वैसे ही शीघ्र ही एआई के इस्तेमाल में भी आगे होगा, लेकिन यह ध्यान रहे कि अधिकांश एआई कंपनियां अमेरिकी हैं और वे भारत में वर्चस्व बढ़ा रही हैं। इस कारण यह सवाल उभर रहा है कि ये अमेरिकी कंपनियां भारतीय डाटा का उपयोग करके अपने एआई माड्यूल को सुदृढ़ करने के क्रम में अपने आर्थिक लाभ में भारत को हिस्सेदार बनाएंगी या नहीं और यदि बनाएंगी तो किस तरह? क्या भारतीयों का डाटा भारत में रहेगा और वह उसके अधिकार क्षेत्र में होगा?

इस समय विश्व भर में जैसी तेजी के साथ एआई कंपनियों में निवेश हो रहा है, वैसी तेजी किसी अन्य सेक्टर में नहीं दिख रही। कुछ विशेषज्ञों की मानें तो एआई कंपनियां अपने एकाधिकार को बढ़ा रही हैं। इसी एकाधिकार के कारण उनके स्टाक बढ़ते जा रहे हैं और उनमें निवेश भी बढ़ रहा है। अमेरिकी कंपनियों की कुछ हद तक काट चीन की एआई कंपनियां कर रही हैं, पर अभी उनका वैसा दबदबा नहीं, जैसा गूगल, ओपनएआई, मेटा आदि का है। फिलहाल एआई तकनीक के विकास में यूरोप के साथ विश्व के अन्य देश पीछे नजर आ रहे हैं। भारत एआई क्षेत्र की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बनने की तैयारी कर रहा है, लेकिन बात तब बनेगी, जब भारतीय एआई कंपनियां अमेरिकी कंपनियों के समकक्ष खड़ी हो सकें। उन्हें अमेरिकी कंपनियों पर निर्भरता से बचना होगा और अपनी अलग पहचान बनानी होगी।

जिस खुशी को हम ढूंढ रहे हैं, वो हमारे भीतर हमारी आत्मा के स्तर पर मौजूद है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

न्यायिक व्याख्या और नारी गरिमा का प्रश्न

महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई और फैसले की दिशा इस बात पर निर्भर करती है कि न्यायालय में पीड़िता के पक्ष पर कितनी संजीदगी के साथ गौर किया गया। खासतौर पर हमारे देश में बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के मामले में न केवल इस अपराध की प्रकृति, बल्कि उसका पीड़िता के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशील रुख अपनाने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार इन तकाजों को प्राथमिक नहीं माना जाता।

मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में एक जरूरी मानक सामने रखा है कि निचली अदालतों में बलात्कार के मामलों पर सुनवाई करते हुए कितना संवेदनशील होने की जरूरत है! गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एक नाबालिग लड़की पर यौन इरादे से शारीरिक बलप्रयोग को बलात्कार के प्रयास का अपराध नहीं माना और आरोपों को हल्का करार दिया। उस समय भी अदालत के रुख और उसकी टिप्पणियों पर तीखे सवाल उठे थे।

अब सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, उससे एक बार फिर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की

रक्षा के लिए न्यायिक व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संबंधित मामले में बलात्कार से संबंधित कानून के प्रावधानों की विचित्र व्याख्या करके आरोपियों के प्रति जिस तरह नरम रुख अख्तियार किया था, वह अपने आप में न्याय की प्रक्रिया पर एक गंभीर सवाल था।

खासतौर पर एक नाबालिग लड़की पर तीन युवकों के शारीरिक बलप्रयोग, बदतमीजी और उसकी गरिमा को चोट पहुंचाने की जिस स्तर पर अनदेखी की गई और आरोप की गंभीरता को कम किया गया, उस पर खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी गहरी नाराजगी जताई थी। बीते वर्ष 25 मार्च को शीर्ष अदालत की पीठ ने साफ शब्दों में कहा था कि यह फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील और अमानवीय नजरिए को दिखाता है, इसलिए इस पर रोक जरूरी है। अब उसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार लगाई और उसके विवादित फैसले को पलटते हुए नाबालिग लड़की से की गई हरकत को 'बलात्कार का प्रयास' करार दिया।

अब यह मुकदमा गंभीर अपराध और पाक्सो अधिनियम के सख्त प्रावधानों के तहत चलेगा। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यह रुख महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों की रोकथाम और खासतौर पर अदालतों में बलात्कार जैसे गंभीर अपराध की सुनवाई के क्रम में कभी-कभार बरती जाने वाली असंवेदनशीलता के मद्देनजर बेहद अहम है। सवाल है कि ऐसे मामलों में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए अपराध की प्रकृति, पीड़िता की स्थिति और सामाजिक हकीकतों को ध्यान में रखना जरूरी क्यों नहीं समझा जाता!

जब भी अदालतों की ओर से ऐसे मामलों में जरूरी संवेदनशीलता के तकाजों की अनदेखी की जाती है, तब यौन अपराधों के विरुद्ध महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रयास कमजोर होते हैं। शायद इन्हीं वजहों से सुप्रीम कोर्ट ने अब यौन अपराधों और अन्य संवेदनशील मामलों के संदर्भ में न्यायाधीशों के दृष्टिकोण और न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता तथा करुणा पैदा करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को एक समिति गठित करने को कहा है।

ठंड के दिनों में ज्यादा बीमार क्यों पड़ते हैं लोग?

ठंड के दिनों में लोग ज्यादा बीमार होते हैं, गर्मी के दिनों में कम पड़ते हैं. क्या आप इसका कारण जानते हैं? मेंटल फ्लॉस की रिपोर्ट के अनुसार

जरा हट के

वैसे तो इंसान को वायरल सर्दी या बुखार साल के किसी भी सीजन में हो सकता है. मगर सर्दी में ज्यादा बीमारी होती है. माना जाता है कि सर्दी के दिनों में लोग घरों के अंदर ज्यादा बंद रहते हैं और एक दूसरे के ज्यादा पास होते हैं, इस वजह से वायरस आसानी से एक दूसरे को फैल सकते हैं, हालांकि, बीमार पड़ने के कई अन्य कारण भी हैं. रिपोर्ट के अनुसार फ्लू वायरस का जो बाहरी फैटी लेयर होता है, वो गर्म तापमान में कमजोर हो जाता है. ठंडे मौसम में ये लेयर मजबूत रहती है. इसी मजबूती की वजह से वायरस ज्यादा वक्त तक मौजूद रहते हैं और आसानी से फैलने लगते हैं.

जब वायरस नाक और गले में प्रवेश करते हैं तब ये लेयर अपने आप नष्ट हो जाती है और

वायरस शरीर को इंफेक्ट करना शुरू कर देता है. ठंडे मौसम का ये भी मतलब होता है कि हवा सूखी होती है, घर के अंदर और बाहर भी. जब हवा में नमी कम होती है, तब वायरस ज्यादा देर तक वहा में मौजूद रह सकते हैं और ज्यादा दूर तक यात्रा कर सकते हैं. घर के अंदर सूखी हवा और साफ हवा का कम सर्कुलेशन कीटाणु और वायरस को पनपने में मदद करता है. कुछ वैज्ञानिकों का ये भी सोचना है कि ठंडा मौसम हमारे इम्यून सिस्टम को अलग-अलग ढंग से असर करता है. 2023 के एक शोध से जानने की कोशिश की गई थी कि क्या नाक ठंडे मौसम में वायरस से लड़ने में कमजोर पड़ जाती है या नहीं, क्योंकि वायरस नाक से भी ज्यादा मात्रा में प्रवेश करते हैं. हालांकि, ये स्टडी काफी छोटी थी और साफ जवाब नहीं दे पाई थी. इसके पीछे भी कोई प्रूफ नहीं है कि ठंड ज्याद महसूस होने से इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है. गीले बालों से बाहर निकलने पर या फिर ठंड में हल्के कपड़े पहनने पर बीमार पड़ने की संभावना कम है. हालांकि, अगर आप अपने हाथों को धुलते रहें, घर की चीजों की सतह को साफ रखें और दूसरों के साथ अपने ग्लास या अन्य बर्तनों को ना शेयर करें, तो बीमार पड़ने के चांस घट जाते हैं.

सफेद चने से बनाएं नमकीन

शाम की चाय के साथ कुछ क्रिस्पी नमकीन खाने का दिल करता है। तो बाहर के अनहेल्दी ऑयल में तली नमकीन खाने की बजाय घर में ही क्रिस्पी स्नैक्स तैयार कर सकते हैं। इसे बनाने में ज्यादा टाइम नहीं लगता और ये एक से दो महीने आराम से रखी जा सकती है। सफेद चने से सीख लें मजेदार नमकीन बनाने की रेसिपी।

सामग्री

- 100 ग्राम सफेद चना
- एक कप लहसुन की कलियां
- 8-10 हरी मिर्च
- एक चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट
- एक चम्मच नमक
- लाल मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- आधा चम्मच हल्दी पाउडर
- एक चम्मच गरम मसाला
- चार चम्मच मैदा
- दो चम्मच कॉर्नफ्लोर
- एक नींबू का रस
- ढेर सारा करी पत्ता
- तलने के लिए तेल

बनाने की रेसिपी

सबसे पहले सफेद चने को रातभर के लिए या फिर 5 घंटे के लिए भिगो दें। फिर इसका पानी छानकर अलग कर लें। किसी बड़े बर्तन में इसे पलटें और मसाले

मिलाएं। मसालों में सबसे पहले लहसुन की कलियां डालें। साथ में लाल मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डाल दें। नमक, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, गरम मसाला डाल दें। फिर मैदा चार चम्मच और क्रिस्पीनेस के लिए कॉर्नफ्लोर को दो चम्मच डाल दें। नींबू का रस डालें। आप चाहें तो खटास के लिए अमचूर पाउडर भी मिला सकते हैं। अब हाथों से मिक्स करें और सारे चने में मसाले को मिक्स करें। हाथ में थोड़ा सा पानी लेकर छिड़के और फिर मिक्स करें। जिससे कि सारा मसाला एक-एक चने पर अच्छी तरह से कोट हो जाए। हरी मिर्च को साइड में लंबा कट कर के रख लें। साथ ही करी पत्ता भी रख लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और चने को डीप फ्राई करें। जब चना गोल्डन होने लगे तो साथ में हरी मिर्च और करी पत्ता भी डाल दें। जिससे कि एक तड़का जैसा चने पर लग जाए और स्वाद के साथ महक भी आ जाए। बस चने को तेल से निकालें और टिश्यू पर पलटकर ठंडा कर लें। क्रिस्पी नमकीन बनकर तैयार है।

हेयर आयल ही तो नहीं आपके बाल झड़ने की वजह?

खरीदने से पहले रखें 5 बातों का ख्याल

- कई बार हम अपने हेयर टाइप को समझे बिना कोई भी तेल लगा लेते हैं, जिससे बालों का झड़ना रुकने के बजाय और बढ़ जाता है। जी हां, बाजार में मिलने वाली हर चमकदार बोतल आपके बालों के लिए सही नहीं होती। अगली बार हेयर ऑयल खरीदने से पहले इन 5 बातों की गांठ जरूर बांध लें।

मिनरल ऑयल से रहें दूर

सबसे पहले तेल की बोतल के पीछे लिखे इंग्रीडिएंट्स को पढ़ें। अगर उसमें सबसे ऊपर 'Mineral Oil' या 'Liquid Paraffin' लिखा है, तो उसे तुरंत शेल्फ पर वापस रख दें। यह पेट्रोलियम से बना सस्ता तेल होता है जो आपके स्कैल्प पर प्लास्टिक जैसी परत बना देता है। इससे बालों की जड़ें सांस नहीं ले पातीं और बाल टूटने लगते हैं। हमेशा नेचुरल ऑयल ही चुनें।

खुशबू के जाल में न फंसें

हम अक्सर ढक्कन खोलकर तेल की खुशबू सूंघते हैं और अगर खुशबू अच्छी लगी तो खरीद लेते हैं। याद रखें, बहुत तेज खुशबू का मतलब है कि उसमें 'आर्टिफिशियल परफ्यूम' और अल्कोहल मिलाया गया है। ये केमिकल आपके स्कैल्प में खुजली और एलर्जी पैदा कर सकते हैं, जिससे हेयर फॉल बढ़ सकता है। असली आयुर्वेदिक या शुद्ध तेलों की खुशबू बहुत भीनी और

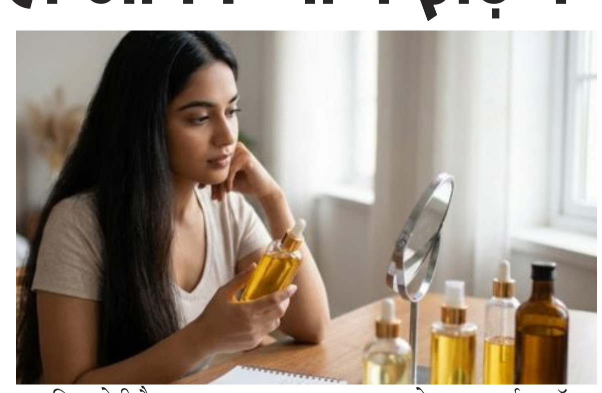

प्राकृतिक होती है।

तेल की कंसिसटेंसी

हर तेल हर किसी के लिए नहीं होता। अगर आपके बाल बहुत पतले और हल्के हैं, तो नारियल तेल या अरंडी का तेल उन्हें बहुत भारी बना देगा, जिससे वे खिंचकर टूट सकते हैं। पतले बालों के लिए बादाम का तेल या आर्गन ऑयल जैसा 'हल्का तेल' चुनें। अगर बाल मोटे और रूखे हैं, तभी हैवी ऑयल का इस्तेमाल करें।

डैंड्रफ है तो तेल से बनायें दूरी

यह सबसे बड़ी गलती है जो हम करते हैं। अगर आपके सिर में डैंड्रफ है, तो तेल लगाना 'आग में घी' डालने जैसा है। डैंड्रफ एक तरह के फंगस से होता है जो तेल खाकर और तेजी से बढ़ता है। अगर आपको डैंड्रफ है, तो पहले मेडिकेटेड शैम्पू से उसे ठीक करें, या फिर 'नीम' और 'टी-ट्री ऑयल' युक्त तेल का ही यूज करें।

'कोल्ड प्रेस्ड' ही है बेस्ट

बाजार में मिलने वाले सस्ते तेल मशीनों में बहुत ज्यादा हीट देकर निकाले जाते हैं, जिससे उनके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। कोशिश करें कि हमेशा कच्ची घानी तेल ही खरीदें। यह थोड़ा महंगा जरूर होता है, लेकिन इसमें तेल के असली गुण और विटामिन बरकरार रहते हैं जो आपके बालों को सही पोषण देते हैं।

आज का राशिफल

मेष : आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें। स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी। पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी।

वृषभ : लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशक्कत करने से लाभ होगा। चिंता होगी। शत्रु पराजित होंगे।

मिथुन : कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे। पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना। वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग।

कर्क : यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। मित्र मिलेंगे। विवाद न करें।

सिंह : प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा। स्वास्थ्य ठीक न हो। अनजाना भय सताएगा। राज्य से लाभ। शत्रु शांत होंगे।

कन्या : बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना। कष्ट की संभावना। धनहानि। कष्ट-पीड़ा होगी।

तुला : स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। चिंताएं कुछ कम होंगी।

वृश्चिक : लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि। धनागम सुखद रहेगा। प्रेमिका मिलेगी। कुछ आय होगी। माता को कष्ट रहेगा।

धनु : भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दु:समाचार प्राप्त होंगे। हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा। भयकारक दिन रहेगा।

मकर : जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट। कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें।

कुंभ : शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना। चिंताएं जन्म लेंगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें।

मीन : रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु दबे रहेंगे। कलह-अपमान से बचें। संभावित यात्रा होगी। सावधानी बरतना होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

नींद न आने की समस्या से हैं परेशान?

- **'डार्क शॉवरिंग' का वायरल ट्रेंड**
- **बिना किसी खर्च के मिलेगा सुकून**

खराब लाइफस्टाइल के चलते नींद न आना अब आम है। इसी बीच सोशल मीडिया पर 'Dark Showering' का ट्रेंड खूब चर्चा में है। सुनने में अजीब लगने वाला यह तरीका तनाव कम करने और बेहतर नींद का रामबाण इलाज माना जा रहा है। आइए जानते हैं यह कैसे काम करता है और क्या यह वाकई सुरक्षित है?

क्या है डार्क शॉवरिंग?

जैसा कि नाम से पता चलता है, इसका मतलब है अंधेरे या बहुत कम रोशनी में नहाना। माना जाता है कि इससे हमारी इंद्रियां शांत होती हैं और दिमाग को आराम का संकेत मिलता है। यह सिर्फ एक ट्रेंड नहीं है, इसका गहरा संबंध हमारे आयुर्वेद से भी है। आयुर्वेद में नहाने को एक पवित्र संस्कार माना गया है, इसलिए कुछ लोग इसे उसी परंपरा से जोड़कर देख रहे हैं।

क्यों बढ़ रहा है इसका चलन?

बिजी लाइफस्टाइल की वजह से ज्यादातर लोग नींद की समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं, कई लोगों को

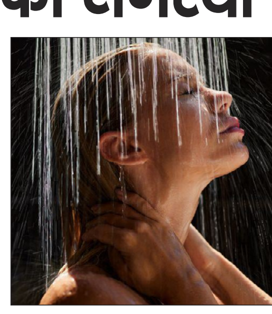

कभी-कभी नींद न आने, बार-बार जागने या दिनभर थकान जैसी परेशानियां रहती हैं। इसी कड़ी में 'डार्क शॉवरिंग' सबसे आसान और असरदार उपाय के रूप में उभर रहा है।

यह तरीका बिना किसी खर्च के दिमाग को शांत करता है और शरीर को गहरी नींद के मोड में ले जाता है। यही वजह है कि आज हर कोई इस जीरो-कॉस्ट थेरेपी को आजमाना चाहता है।

डार्क शॉवरिंग के फायदे

नींद की गुणवत्ता में सुधार

नींद न आने की समस्या से परेशान लोगों के लिए डार्क शॉवर काफी फायदेमंद साबित होता है। डार्क शॉवर लेने से शरीर का तापमान तेजी से बढ़ता जाता है और नहाने के बाद तापमान फिर से सामान्य हो जाता है, जिससे जल्दी नींद आने में मदद मिलती है।

साथ ही, अंधेरे में रहने से 'मेलाटोनिन' (नींद का हार्मोन) बढ़ता है, जिससे दिमाग शांत होता है और आप जल्दी सो पाते हैं। बिना दवा नींद पाने का यह एक स्मार्ट और वैज्ञानिक तरीका है।

मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद

अंधेरे में नहाना किसी मेडिटेशन से कम नहीं है। यह तनाव बढ़ाने वाले 'कोर्टिसोल' हार्मोन को कम करता है, जिससे मन शांत रहता है। जब हम देख नहीं पाते, तब हमारा ध्यान पानी की गरमाहट, क्लींजर की खुशबू और शॉवर से आने वाले आवाज पर रहता है, जो स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है और सुकून भरा अहसास दिलाता है।

डार्क शॉवर कोई जादुई नुस्खा नहीं

डार्क शॉवर नींद की समस्याओं का कोई रातों-रात इलाज नहीं है। अगर आप इसे बोझ मानकर या जल्दबाजी में करेंगे, तो इससे फायदा नहीं होगा। जिन लोगों को नींद से जुड़ी गंभीर समस्याएं हैं, उन लोगों को डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। डार्क शॉवर को आप सिर्फ एक सुकून देने वाले अनुभव की तरह अपनाएं, तनाव लेकर नहीं।

बिना पानी से धोए चमक उठेगा कंबल

- **अपनाएं ये आसान घरेलू तरीका**

कंबल हमारे घरों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो हमें गर्मी और आराम प्रदान करता है, लेकिन समय के साथ कंबल गंदे और बदबूदार हो जाते हैं जिससे हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है. लेकिन क्या आपको पता है कि बिना धोए हुए कंबल को साफ करने के आसान तरीके हैं?

दरअसल आप अपने कंबल को बिना धोए हुए भी साफ कर सकते हैं और उसे फिर से ताजा और स्वच्छ बना सकते हैं. इस पर विस्तृत जानकारी देते हुए मिथिला की गृहणी सपना चौधरी बताती है कि कंबल को साफ करने के लिए कई तरीके हैं.

जैसे कि शैंपू, बेकिंग सोडा, और वैक्यूम क्लीनर का उपयोग करना. सबसे पहले, एक बर्तन में शैंपू का पाउच निकालकर रखें, फिर उसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा डालकर उसे अच्छे से मिक्स करें. कंबल को अच्छे तरीके से बेड पर बिछाएं, फिर उसके ऊपर चाय छन्नी में बेकिंग सोडा को अच्छे तरीके से डालें जहां गंदगी है.

इसके बाद, कुकर का ढक्कन लें और उसमें एक सूती कपड़ा या रुमाल को अच्छे से बांधे, फिर उसमें शैंपू का मिला हुआ पेस्ट कुकर के ढक्कन में अच्छे से लगाएं. और कंबल में जहां-जहां गंदगी है, वहां-वहां ढक्कन से रगड़कर साफ करें. फिर उसे अच्छे से फोल्ड करके आधा घंटा छोड़ दें, फिर धूप में तीन-चार घंटे के लिए सूखा दें. इस तरीके से आप अपने कंबल को बिना धोए हुए भी साफ कर सकते हैं और उसे फिर से ताजा और स्वच्छ बना सकते हैं. घरेलू नुस्खे से आपकी कंबल में इतनी चमक आ जाएगी कि लगेगा आप उसे पानी से धोए हुए हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

12 आग
उपद्री
ने पत
बाजा
मार्क

खबरें गांव की...

शिक्षा विभाग के भ्रष्टाचार से तंग शिक्षक की खुदकुशी मामले में ऐक्शन शुरू

देवरिया. यूपी के देवरिया में शिक्षा विभाग के भ्रष्टाचार और प्रताड़ना से तंग आकर एक शिक्षक के खुदकुशी कर लेने से हड़कंप मच गया है। इस मामले में अब ऐक्शन शुरू हो गया है। सबसे पहले बेसिक शिक्षा विभाग दफ्तर के संजीव सिंह नाम के उस क्लर्क को सस्पेंड कर दिया गया है जिस पर शिक्षक ने अपने सुसाइड नोट में प्रताड़ित करने और 16 लाख रुपए लेने का आरोप लगाया था। डीएम दिव्या मित्तल ने मामले की जांच के लिए अफसरों को दौड़ा दिया है। सीडीओ राजेश सिंह की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एक जांच कमेटी बनाई गई है। इसमें ज्वाइंट मजिस्ट्रेट श्रुति शर्मा और डीआईओएस शिवनारायन सिंह को भी शामिल किया गया है। यह कमेटी तीन दिनों में अपनी रिपोर्ट देगी। शिक्षक की खुदकुशी मामले में गोरखपुर के गुलरिहा थाने में केस दर्ज किया गया है।

रायबरेली में पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल के शव, हत्या-आत्महत्या में उलझी पुलिस

रायबरेली. उत्तर प्रदेश के रायबरेली से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां मिल एरिया थाना क्षेत्र के एक गांव के बाहर पेड़ से प्रेमी युगल के शव लटकते मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मिल एरिया थाना क्षेत्र के राघनपुर मोड़ के पास स्थित एक बाग में शौच के लिए गए ग्रामीणों की नजर पेड़ से लटक रहे दो शवों पर पड़ी। देखते ही देखते यह खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई और सैकड़ों लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को फंदे से उतरवाकर पहचान कराने का प्रयास किया। मृतकों की पहचान दोहरी गांव के रहने वाले गंगा प्रसाद यादव का 26 वर्षीय शिव बहादुर यादव और खदरी गांव के रामसमुझ की 25 वर्षीय युवती के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दे दी है।

पबजी की लत बनी जानलेवा! सीढ़ियों से गिरने से ब्रेन हेमरेज, 10 दिन से वेंटीलेटर पर युवक

गोरखपुर. गोरखपुर में मोबाइल गेम पबजी का शौक एक किशोर के लिए खतरनाक साबित हुआ। खेलते हुए ध्यान भटका तो वह छत की सीढ़ियों से नीचे गिर पड़ा। सिर फट गया और ब्रेन हेमरेज हो गया। सिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराने पर इमरजेंसी सर्जरी हुई। करीब 10 दिन वेंटिलेटर पर रहने के बाद अब वह खतरे से बाहर है। न्यूरोसर्जन डॉ. सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि शहर के रहने वाले एक किशोर को पबजी की लत लग चुकी थी। परिजनों के मना करने पर वह हिंसक हो जाता। दस दिन पहले छत पर बैठकर गेम खेल रहा था। किसी ने नीचे बुलाया तो सीढ़ी से उतरते हुए मोबाइल स्क्रीन से नजर नहीं हटाई। पैर फिसला और वह ऊंचाई से गिर पड़ा।

शादी में गई किशोरी का अपहरण, युवकों ने चलती पिकअप में किया गैंगरेप

कानपुर. यूपी के कानपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां बर्रा थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह में आई किशोरी के साथ चलती पिकअप में सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पता पूछने के बहाने दो युवक उसे जबरन पिकअप में बैठाकर ले गए और हैवानियत की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को चेक करने के बाद दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया और किशोरी को भी बरामद कर लिया। बर्रा की रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी 19 फरवरी की रात को मां के साथ वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए इलाके के एक गेस्ट हाउस में गई थी। काफी देर तक बेटी के न मिलने पर महिला ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आई। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की।

6 राज्यों में SIR संपन्न

- **गुजरात में सबसे अधिक 68 लाख नाम काटे गए**

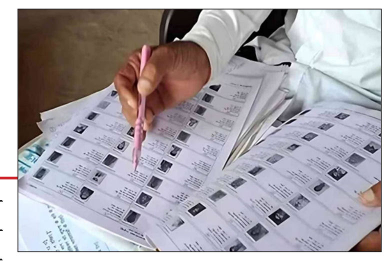

नई दिल्ली. भारत निर्वाचन आयोग ने देश के छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (Special Intensive Revision - SIR) का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर बदलाव दर्ज किए गए हैं। लाखों की संख्या में अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

एसआईआर के आंकड़ों में सबसे चौंकाने वाली गिरावट गुजरात में देखी गई है। यहां कुल 68,12,711 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। पुनरीक्षण से पहले गुजरात में मतदाताओं की संख्या 5,08,43,436 थी, जो अब घटकर 4,40,30,725 रह गई है। यह कुल मतदाता संख्या में 13.40% की भारी गिरावट है। गुजरात के बाद मध्य प्रदेश में भी मतदाता सूची में बड़ी शुद्धि की गई है। यहां 34,25,078 नाम हटाए गए, जिससे मतदाताओं की संख्या 5,74,06,143 से कम होकर 5,39,81,065 (-5.97%) पर आ गई है।

कहां कितनी हुई कटौती?

राजस्थान: मतदाताओं की संख्या 5,46,56,215 से घटकर 5,15,19,929 हो गई। 31,36,286 नाम काटे गए।

छत्तीसगढ़: यहां मतदाता सूची 2,12,30,737 से घटकर 1,87,30,914 रह गई। 24,99,823 नाम काटे गए।

केरल: सूची से 8,97,211 नाम हटाए गए, जिसके बाद अब कुल मतदाता 2,69,53,644 हैं।

गोवा: मतदाताओं की संख्या में 1,27,468 की गिरावट दर्ज की गई।

केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति

पुडुचेरी: 77,367 मतदाताओं के नाम हटाए गए।

अंडमान और निकोबार: 52,364 नामों की कटौती की गई।

लक्षद्वीप: यहां सबसे कम केवल 206 नामों में बदलाव हुआ है।

चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह बदलाव 'नेट चेंज' को दर्शाता है, जिसमें अपात्र मतदाताओं की संख्या में से नए जुड़े पात्र मतदाताओं को घटाया गया है। सूची से नाम हटाने के प्राथमिक कारणों में मृत्यु, स्थायी रूप से स्थानांतरण, एक से अधिक जगहों पर नाम और अन्य पात्रता संबंधी मुद्दे शामिल हैं। आयोग ने दोहराया कि मतदाता सूची को अपडेट करना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की बारी

- निर्वाचन आयोग ने देश के 12 राज्यों में इस राष्ट्रव्यापी अभ्यास की शुरुआत की थी। दूसरे चरण के 12 राज्यों में से अब केवल तीन राज्य शेष हैं। पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) का डेटा इस महीने के अंत में जारी किया जाएगा। आयोग ने शेष राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (CEOs) को भी प्रारंभिक कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं।
- SIR प्रक्रिया का अगला चरण अप्रैल में शुरू होने वाला है, जो मतदाता सूची के सत्यापन के देशव्यापी अभियान का हिस्सा होगा। फिलहाल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, गोवा और अंडमान-निकोबार के लिए अंतिम मतदाता सूचियां आधिकारिक तौर पर प्रकाशित कर दी गई हैं।

कांग्रेस से मोहभंग!

- **बीजेपी में शामिल हुए असम कांग्रेस के पूर्व चीफ भूपेन बोरा**

गुवाहाटी. असम कांग्रेस के पूर्व चीफ भूपेन बोरा ने कई अटकलों के बीच बीजेपी का दामन थाम लिया है। असम बीजेपी चीफ दिलीप सैकिया और बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा की उपस्थिति में उन्होंने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। एक दिन पहले ही बोरा ने गृह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। बोरा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा और लखीमपुर के विधायक मनाब डेका की मौजूदगी में शाह से मुलाकात की थी। बैठक के बाद बोरा ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें शाह से मिलने के लिए कहा था, इसलिए वह उनसे शिष्टाचार भेंट करने आए थे। उन्होंने दावा किया कि आठ मार्च तक आत्मसम्मान और राज्य के प्रति 'राष्ट्रवादी' भावना रखने वाले लगभग 50 प्रतिशत कांग्रेस सदस्य भाजपा में शामिल हो जाएंगे। हालांकि उन्होंने 22 फरवरी को ही बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली।

बोरा सोमवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि पार्टी आला कमान ने इसे स्वीकार नहीं किया। राहुल गांधी ने भी उनसे फोन पर बात की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बोरा से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था, लेकिन अगले दिन मुख्यमंत्री शर्मा उनके आवास पर पहुंचे और घोषणा की कि बोरा 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे।

राहुल गांधी ने नहीं सुनी बात

भूपेन बोरा ने कहा कि जब उन्होंने पार्टी में अपने अपमान का मुद्दा राहुल गांधी के साथ उठाया, तो उन्होंने (राहुल गांधी ने) उनसे कहा कि उन्हें भी अपमानित महसूस होता है। असम में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को सोमवार को तब एक झटका लगा था जब बोरा ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि वह इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते।

मन की बात- PM मोदी के देश को तीन मंत्र

- **टेक्नोलॉजी अपनाएं, ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा दें; साइबर क्राइम से सतर्क रहें**

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 131वें एपिसोड में देश को तीम मंत्र दिए। उन्होंने टेक्नोलॉजी, ऑर्गन डोनेशन और साइबर क्राइम पर बात की। इसके साथ ही उन्होंने होली और रमजान की शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली में ग्लोबल AI इम्पेक्ट समिट के दौरान, कई देश के नेता, उद्योग जगत के लीडर्स, इनोवेटर, टेक कंपनी के दिग्गज जुटे।

उन्होंने कहा कि समिट में मैंने दुनिया के लीडर्स को बहुत सी चीजें दिखाई। AI की मदद से प्राचीन ग्रंथों को, पांडुलिपि को संरक्षित कर रहे हैं। एग्जीविशन के दौरान सुश्रुत संहिता का डिस्प्ले किया गया। इसे पढ़ने लायक टेक्स्ट में बदला गया। भारतीय और विदेशी भाषाओं में इसे बदला जा सकता है।

पीएम ने कहा- AI समिट में भारत की ताकत दुनिया के सामने आई। युवाओं में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को लेकर उत्साह बढ़ रहा है।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक

- **16 मौतें, सभी एक परिवार के**
- **PAK बोला- TTP के 7 कैंपों को निशाना बनाया**
- **आत्मघाती हमलों का बदला लिया**

इस्लामाबाद. पाकिस्तान की सेना ने रविवार तड़के अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की। अल-जजीरा के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) और इस्लामिक स्टेट से जुड़े सात कैंपों और ठिकानों को निशाना बनाया गया।

पाकिस्तान सरकार ने इसे हालिया आत्मघाती हमलों के बाद जवाबी अटैक बताया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन था। पाकिस्तान ने कहा, 'हमारे पास पुख्ता सबूत हैं कि हमले अफगानिस्तान की जमीन से चल रहे नेटवर्क ने कराए।'

अफगानिस्तानी मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक हमले में नांगरहार के एक घर को निशाना बनाया, जिससे एक ही परिवार के 23 लोग मलबे के नीचे दब गए। अब तक सिर्फ चार लोगों को निकाला जा सका है। हमले के समय परिवार सो रहा था, इसलिए उन्हें भागने का मौका ही नहीं मिला।

अमेरिकी मानवाधिकार संगठन इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (IHRF) के मुताबिक इसमें 16 लोगों की मौत हो गई। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि, आंकड़ों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

सही समय पर कड़ा जवाब देंगे

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सही समय पर पाकिस्तान को जवाब देने की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने इन हमलों को अफगानिस्तान की गोपनीयता नीति का उल्लंघन बताया। अफगान सूत्रों के अनुसार पक्तिका में एक धार्मिक स्कूल पर ड्रोन हमला हुआ और नांगरहार प्रांत में भी कार्रवाई की गई। पाकिस्तान ने कहा है कि उन्होंने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन अफगान स्रोतों के अनुसार नागरिकों को नुकसान हुआ।

ट्रम्प ने 24 घंटे में ग्लोबल टैरिफ 5% बढ़ाया

- **पहले 10%, अब 15% किया; शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सभी पुराने टैरिफ रद्द किए थे**

नई दिल्ली. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ 10% से बढ़ाकर 15% करने का ऐलान किया है। उन्होंने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इससे पहले ट्रम्प ने शुक्रवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी देशों पर 10% टैरिफ लगाने की बात कही थी।

दरअसल अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ट्रम्प के दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि ट्रम्प को IEEPA कानून का इस्तेमाल करने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार राष्ट्रपति को नहीं, सिर्फ संसद को है।

इससे नाराज होकर ट्रम्प ने दुनियाभर के देशों पर नए कानून (सेक्शन-122) का इस्तेमाल कर 10% टैरिफ लगा दिया था। इस कानून के तहत अधिकतम 15% टैरिफ ही लगाया जा सकता है।हालांकि यह टैरिफ सिर्फ 150 दिन के लिए ही लागू रहेगा। अगर इन्हें आगे बढ़ाना है तो कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी।

सेक्शन 122 अमेरिका के एक कानून का हिस्सा है, जिसे ट्रेड एक्ट ऑफ 1974 कहा जाता है। यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि अगर देश को अचानक व्यापार घाटे या आर्थिक संकट का खतरा हो, तो वे तुरंत आयात पर टैरिफ लगा सकते हैं।

24 फरवरी से लागू होगा 15% टैरिफ

ट्रम्प ने एक आदेश पर हस्ताक्षर कर दुनियाभर के देशों पर नया टैरिफ लगाया है। यह 15% टैरिफ 24 फरवरी से लागू हो जाएगा। इससे पहले उन्होंने कल टैरिफ को अवैध बताने वाले जजों की भी आलोचना की। ट्रम्प ने कहा- मुझे कोर्ट के कुछ जजों पर शर्म आ रही है। वे देश के लिए कलंक हैं, उनमें हमारे देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं है। भारत के साथ ट्रेड डील पर ट्रम्प ने कहा कि, इस डील में कोई बदलाव नहीं होगा। पीएम मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं।

ईरानी नाव पकड़ी

- **बोट में छिपाकर रखी गई 5 करोड़ की विदेशी सिगरेट जब्त**

पोरबंदर. भारतीय तटरक्षक बल ने एक बड़े समुद्री अभियान के तहत गुजरात के पोरबंदर के पास एक संदिग्ध विदेशी नाव को रोककर जांच की। इस नाव पर ईरानी चालक दल सवार था और इसमें तस्करी कर लाई जा रही विदेशी ब्रांड की बड़ी मात्रा में सिगरेट बरामद की गई। सिगरेट की बाजार कीमत 5 करोड़ के आसपास आंकी गई है। यह कार्रवाई कुछ दिन पहले हुए एक अन्य बड़े समुद्री अभियान के बाद हुई है। 17 फरवरी की रात भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात ATS के साथ मिलकर खुफिया सूचना के आधार पर एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया था। नाव को आगे की जांच के लिए पोरबंदर लाया गया है।

अविमुक्तेश्वरानंद पर बच्चों के यौन शोषण मामले में FIR

- **पॉक्सो एक्ट में हुआ केस**
- **शंकराचार्य बोले- मुकदमा करने वाला हिस्ट्रीशीटर, सच सामने आएगा**

प्रयागराज. शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के मामले FIR दर्ज कर ली गई है। प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज FIR में शंकराचार्य के शिष्य मुकुंदानंद का भी नाम है। झूंसी थाना प्रभारी महेश मिश्रा के मुताबिक, 2-3 अज्ञात के खिलाफ भी पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दरअसल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज की याचिका पर प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट ने शनिवार को FIR दर्ज करने के आदेश दिए थे। आशुतोष ब्रह्मचारी ने कोर्ट में 2 बच्चों को पेश करके गंभीर आरोप लगाए थे। कोर्ट में कैमरे के सामने बच्चों के बयान दर्ज हुए थे। अदालत ने 13 फरवरी को अपना आदेश रिजर्व रख लिया था।

शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया था- हम दर-दर भटक रहे थे। पुलिस के पास जा रहे थे। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। इसलिए न्याय के मंदिर में आए। आज लगा कि न्याय अभी जिंदा है। न्यायालय ने हमें आज न्याय दिया। मैं अब साफ-साफ कहना चाहता हूं कि शिष्यों के साथ यौन शोषण और समलैंगिक अपराध किया गया। इसकी पुष्टि न्यायालय ने कर दी है।

वहीं, अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि रामभद्राचार्य के शिष्य मुकुंदानंद ने केस किया है। वह हिस्ट्रीशीटर है। जांच में हम सहयोग करेंगे। सच सामने आ जाएगा।

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से शादी की

- **युजवेंद्र चहल ने बारात में डांस किया**
- **क्रिकेटर ने 2023 में पहली पत्नी से तलाक लिया था**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ शादी कर ली है। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शनिवार को एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे मौजा ही मौजा गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। चहल ने कुछ फोटो भी पोस्ट किए। इनमें धवन और उनकी पत्नी सोफी शाइन स्टेज पर हैं।

40 साल के पूर्व भारतीय ओपनर ने एक महीने पहले 12 जनवरी को अपनी आयरिश गर्लफ्रेंड के साथ सगाई की थी। दोनों पिछले कुछ समय से रिलेशनशिप में थे और मई 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। इससे पहले धवन ने 2023 में अपनी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक ले लिया था। दोनों ने 2011 में शादी की थी। आयशा-धवन का एक बेटा भी है।

पिछले महीने धवन ने सगाई की थी

धवन ने 12 जनवरी को इंस्टाग्राम पर लिखा था- मुस्कान से लेकर सपनों तक, सब कुछ साझा करते हुए। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। हम हमेशा के लिए एक-दूसरे का साथ चुन रहे हैं। इससे पहले IPL में शिखर के पंजाब किंग्स के लिए खेलने के दौरान भी सोफी टीम को सपोर्ट करती नजर आई थीं।

सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं। जब वह धवन से मिली थी तब UAE में जॉब करती थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक वह अमेरिका की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन में सेकेंड वाइस प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट कंसल्टेंट) के पद पर कार्यरत रही हैं। सोफी पिछले साल जुलाई से धवन की स्पोर्ट्स कंपनी डा वन स्पोर्ट्स की COO हैं। उन्होंने आयरलैंड के लिमरिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मार्केटिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई की है।

शॉर्टकट से ट्रेन टिकट बुक की तो IRCTC आईडी होगी ब्लॉक

नई दिल्ली. ऑनलाइन रेल टिकट बुकिंग के दौरान शॉर्टकट अपनाने से आपकी आईआरसीटीसी आईडी ब्लॉक हो सकती है। समय से पहले बुकिंग प्रक्रिया पूरा करने पर यह कार्रवाई की जा सकती है। आईआरसीटीसी की नई तकनीक टिकट बुकिंग के दौरान टाइपिंग की गति से वैध-अवैध उपभोक्ताओं का पता लगा लेगी। इस सख्ती से आम जनता को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना 40 फीसदी तक बढ़ जाएगी।

रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग में नया एआई प्रीडेटर सिस्टम (एआई सॉफ्टवेयर) लागू कर दिया गया है। इस नई तकनीक का उद्देश्य अवैध सॉफ्टवेयर की मदद आईआरसीटीसी वेबसाइट में घुसपैठ कर कन्फर्म टिकट लेने वाले दलालों पर नकेल कसना है।

एआई आधारित सिस्टम बुकिंग के दौरान प्रक्रिया से पहचान लेगा कि टिकट इंसान बुक कर रहा या कोई सॉफ्टवेयर। ऐसे रेल यात्रियों को सतर्क रहने की जरूरत है जो टिकट बुक करते समय स्मार्ट ट्रिक्स (कट-पेस्ट) अपनाते हैं। ऐसे उपभोक्ताओं को संदिग्ध मानकर रेलवे का सिस्टम यूजर आईडी (अकाउंट) को ब्लॉक कर सकता है। यदि आम उपभोक्ता रात में थोक में नाम जोड़ते या हटाता है तो वह एआई के जद में आएंगे।

फॉर्म कम समय में न भरे

रेलवे का एल्गोरिदम टाइपिंग की गति मापता है। यदि पांच यात्रियों का विवरण (नाम, उम्र, जेंडर आदि) 4.2 सेकेंड से कम समय में भर दिया जाता है तो सिस्टम यूजर को रेड फ्लैग कर देगा।

आधे घंटे में पांच बार से ज्यादा लॉगिन न करें

एक अधिकारी ने बताया, अगर उपभोक्ता एक आईडी से आधे घंटे में पांच बार से ज्यादा लॉगइन या लॉगआउट करते हैं तो ऐसे अकाउंट को 24 घंटे के लिए बैन कर दिया जाएगा। इसके अलावा आईपी एड्रेस और मोबाइल नंबर एक ही क्षेत्र में होना चाहिए। अगर दोनों अलग-अलग हैं तो ट्रांजक्शन बीच में ही रुक जाएगा। एक महीने में 2.8 लाख ऐसे अकाउंट ब्लॉक किए गए हैं। बता दें कि, भारतीय रेलवे यात्रियों को डिजिटल माध्यमों से अधिक सुविधा, पारदर्शिता और प्रोत्साहन देने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। इसी क्रम में रेलवे द्वारा संचालित रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित रेल टिकट बुकिंग पर मिलने वाली 3 प्रतिशत बोनस छूट की सुविधा का दायरा बढ़ा दिया गया है। यह व्यवस्था ट्रायल आधार पर 14 जनवरी 2026 से 14 जुलाई 2026 तक लागू रहेगी।

एक बांग्लादेशी समेत 8 संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली. दिल्ली पुलिस ने रविवार को 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 तमिलनाडु और 2 पश्चिम बंगाल से अरेस्ट किए गए।

पुलिस के मुताबिक यह सभी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के इशारे पर आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। संदिग्धों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। इनके पास से 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और 16 से ज्यादा सिम कार्ड बरामद हुए हैं। तमिलनाडु के तिरुप्पुर से जिन 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल हैं।

देश जानता है कांग्रेसी पहले से नंगे : मोदी

- **पीएम बनना चाहते हो तो लोगों के दिल जीतो**
- **मेरठ में रैपिड–मेट्रो रेल का उद्घाटन किया**

मेरठ. पीएम मोदी ने AI समिट में कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने को लेकर कांग्रेस को खरी-खोटी सुनाई। कहा- भारत में दुनिया का सबसे बड़ा AI सम्मेलन हुआ। पूरा देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने क्या किया? वैश्विक आयोजन को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए।

मोहिउद्दीनपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा- मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं- देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो। फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? कांग्रेस के नेताओं ने जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है।

मोदी ने कहा- देखिए दिल्ली में जो हुआ, क्या उसमें TMC, DMK या बसपा के लोगों ने पाप किया... नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस के सरफिरे और बेलगाम नेता देश को तबाह करने पर तुले हैं। अगर आपको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है तो पहले आपको लोगों के दिल जीतने होंगे।

इससे पहले मोदी ने रविवार को मेरठ में मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाई। स्कूली बच्चों और डॉक्टरों के साथ सफर किया। उनसे बातचीत की। 12,930 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

रैपिड रेल से दिल्ली से मेरठ की 82.15 किमी दूरी सिर्फ 55 मिनट में पूरी होगी। ट्रेन मेरठ मोदीपुरम से शुरू होकर दिल्ली के सराय काले खां तक जाएगी और 13 स्टेशनों से होकर गुजरेगी। पूरे सफर में दो स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे, जबकि बाकी का सफर एलिवेटेड होगा।

ओडिशा में ट्रेलर ने पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर

5 जवानों की मौत; 3 की हालत नाजुक

भुवनेश्वर. ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में रविवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने पुलिस की बोलेरो गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पांच पुलिस कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हैं। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि पुलिस वाहन के परखच्चे उड़ गए। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना झारसुगुड़ा सदर पुलिस स्टेशन के पास सुबह के समय हुई। पुलिस की बोलेरो ड्यूटी पर थी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह पिचक गई, जिससे उसमें सवार पांच कर्मियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले जवानों की पहचान कर ली गई है। पुलिस विभाग ने मृतकों के नाम साझा करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में ड्रिल सब-इंस्पेक्टर निरंजन कुजूर, एपीआर कर्मी काशीराम भोई, एपीआर कर्मी देबदत्त सा, एपीआर हवलदार लिंगराज धुरुआ और होमगार्ड भक्तबंधु मिर्धा का निधन हुआ है।

दुर्घटना में घायल हुए तीन अन्य कर्मियों में आर्म्ड पुलिस रिजर्व (APR) के दो सदस्य और एक सार्जेंट शामिल हैं। स्थानीय पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें बाहर निकाला और तुरंत झारसुगुड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, तीनों की हालत काफी नाजुक बनी हुई है और उन्हें विशेषज्ञों की कड़ी निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने आरोपी ट्रेलर चालक को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह हादसा चालक की लापरवाही, नींद आने या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुआ।

संक्षेप...

गणेश घाट का होगा सौंदर्यीकरण

कल्याण. कचोरे गांव स्थित गणेश घाट के सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन समारोह उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह पहल सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की संकल्पना से शुरू हुई। नगरसेविका रेखाताई राजन चौधरी की मांग पर विधायक राजेश मोरे ने 5 करोड़ रुपये की निधि उपलब्ध कराई और उनके हाथों विधिवत भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर नगरसेविका रेखाताई राजन चौधरी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, प्रदेश अध्यक्ष विधायक रविंद्र चव्हाण, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे तथा विधायक राजेश मोरे का आभार व्यक्त किया।

कल्याण लोकसभा में सांसद डा.श्रीकांत शिंदे का दौरा

- **MMRDA की निधि से जारी विकास परियोजनाओं का लिया जायजा**

कल्याण. कल्याण लोकसभा क्षेत्र में यातायात की समस्या का स्थायी समाधान निकालने और शहर के विकास को नई गति देने के लिए इस समय हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। सड़क, बुनियादी ढांचे और मेट्रो परियोजनाओं के कारण आने वाले समय में कल्याण और आसपास के क्षेत्रों की यातायात व्यवस्था पूरी तरह बदलती हुई दिखाई देगी। सांसद डॉ.श्रीकांत शिंदे ने हाल ही में इन विभिन्न विकास कार्यों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और बताया कि ये कार्य अंतिम चरण में हैं। सांसद शिंदे ने विश्वास व्यक्त किया कि लगभग 5000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है और इनके पूरा होने के बाद कल्याण–डोंबिवली सहित पूरे निर्वाचन क्षेत्र का कायाकल्प होगा।

मेट्रो-12 के काम को फिलहाल बड़ी गति मिली है। खास बात यह है कि मेट्रो-12 के अलाइनमेंट में बदलाव कर अब इसे शीलफाटा से तळोजा तक ले जाने की मंजूरी मिल गई है। इस बदलाव से 27 गांवों और दिवा क्षेत्र के नागरिकों को मेट्रो का सीधा लाभ मिल सकेगा। इसके अलावा दुर्गाड़ी से उल्हासनगर और अंबरनाथ तक मेट्रो 5 परियोजना को भी मंजूरी दे दी गई है। ये वैकल्पिक परिवहन मार्ग पूरी क्षमता से शुरू होने के बाद मध्य रेलवे पर यात्रियों का दबाव काफी हद तक कम होगा और नागरिकों को यात्रा के बेहतर विकल्प उपलब्ध होंगे।

रिंग रोड और पुलों के कार्यों में तेजी

शहर के भीतर यातायात के लिए रिंग रोड का तीसरा चरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुर्गाडी से मोठागांव के बीच के कार्य के लिए भूमि अधिग्रहण से जुड़ी बाधाओं को दूर करने हेतु एमएमआरडीए और केडीएमसी की संयुक्त बैठक आगामी कुछ दिनों में होने वाली है। रिंग रोड का दूसरा चरण पूरा होने के बाद काटई से टिटवाला की यात्रा केवल कुछ ही मिनटों में पूरी करना संभव होगा। इसके साथ ही तीसरे पत्रीपुल और पलावा रेलवे फ्लाईओवर का कार्य आगामी 2 से 3 महीनों में पूरा हो जाएगा। पलावा पुल के लिए रेलवे से मेगाब्लॉक की अनुमति मिलते ही गर्डर लॉन्चिंग का कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे यात्रियों का बहुमूल्य समय बचेगा।

डबल डेकर फ्लाईओवर से यात्रा को मिलेगी गति

कल्याण में यातायात को अधिक सुगम बनाने के लिए नागपुर की तर्ज पर महापे से राजनोली के बीच एक्सेस कंट्रोल डबल डेकर फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 2800 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।यह फ्लाईओवर चालू होने के बाद महापे से राजनोली तक की यात्रा बिना किसी रुकावट के पूरी की जा सकेगी। इसके अलावा दुर्गाडी से अंबरनाथ मार्ग पर भी इसी प्रकार के डबल डेकर फ्लाईओवर के निर्माण की मांग की गई है, जिससे कल्याण, उल्हासनगर और अंबरनाथ के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

हिंद-दी-चादर' पहल के तहत विद्यार्थियों ने सुबह की प्रभातफेरी निकाली

ठाणे. मनपा स्कूल नंबर 18 में 'हिंद-दी-चादर' पहल के तहत सुबह की प्रभातफेरी निकाली गई। यह प्रभातफेरी प्रधानाचार्य परदेशी के मार्गदर्शन में उत्साह के साथ निकाली गई।इस प्रभातफेरी में विद्यार्थियों ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के जीवन कार्यों के बारे में नारे लगाए और इलाके में जागरूकता पैदा की।विद्यार्थियों ने नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता, मानवता और बलिदान का संदेश दिया।इस कार्यक्रम में स्कूल के सभी अध्यापक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद थे। यह पहल विद्यार्थियों में देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता और महान हस्तियों के प्रति सम्मान जगाने के लिहाज से महत्वपूर्ण थी। 'हिंद-दी-चादर' पहल के जरिए विद्यार्थियों को इतिहास की प्रेरणा देने वाली हस्तियों से परिचित होने और उनके जीवन से शिक्षा सीखने का मौका मिल रहा है।

'अंबरनाथ वर्ल्ड कप' क्रिकेट मुकाबले देखने के लिए भारी भीड़

अंबरनाथ. अंबरनाथ के खुंटवली में 'अंबरनाथ वर्ल्ड कप' नाम से श्री क्रीड़ा मंडल द्वारा अंडर आर्म क्रिकेट मुकाबलों का आयोजन लोटे चषक के नाम से आयोजित किया गया है. ये मुकाबले 20 से 22 फरवरी तक रखे गए, जिसमें अंबरनाथ से 16 और रायगड़, मुंबई, ठाणे जिले से 16 इस तरह कुल 32 टीमों ने भाग लिया. पहला पारितोषिक एक लाख 9 हजार रुपए रखा गया है. भगवान सुभाष लोटे, संदीप लोटे, अनिता लोटे और राजाराम लोटे ने क्रिकेट मुकाबले का आयोजन किया है. खुटवली के श्री क्रीड़ा मंडल मैदान में शानदार स्टेडियम बनाया गया है. देखने के लिए हजारों क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ एकत्रित हो रही है. मुकाबले का उद्घाटन नामदेव कृष्णा लोटे संस्थापक श्री क्रीड़ा मंडल ने किया. नगरसेवक अभिजीत करंजुले एवं पवन सुरेश वालेकर ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. उत्कृष्ट बॉलर, उत्कृष्ट बैट्समैन, उत्कृष्ट क्षेत्ररक्षक को मोबाइल फोन इनाम में दिया गया. मैन आफ दी मैच को चांदी का क्वाइन इनाम में दिया गया है. भगवान लोटे ने पत्रकारों को बताया के दर्शकों में से रोजाना एक एयर कूलर तोहफे में दिया गया है. इस प्रकार कुल 35 एयर कूलर बांटे गए. मैन आफ दी सीरीज को एक हीरो होंडा पारितोषितक प्रदान किया गया. क्रिकेट मुकाबले को देखने के लिए ठाणे जिला, मुंबई, रायगड़ से दर्शक भाग ले रहे हैं.

सिविल अस्पताल में मिर्गी की स्क्रीनिंग और गाइडेंस कैंप ज़ोरों पर

ठाणे. जिला सिविल अस्पताल में एक खास स्क्रीनिंग और गाइडेंस कैंप ज़ोरों पर लगाया गया। इसका मकसद मिर्गी, जो एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, के बारे में समाज में फैली गलतफहमियों को दूर करना था, ताकि मरीज़ सम्मान और आत्मविश्वास के साथ अपनी ज़िंदगी जी सकें। मरीज़ों और उनके माता-पिता के तुरंत रिस्पॉन्स की वजह से कुल 110 लोगों की स्क्रीनिंग की गई और उन्हें ज़रूरी इलाज, काउंसलिंग और आगे की मेडिकल गाइडेंस दी गई।यह पहल डिस्ट्रिक्ट मेंटल हेल्थ प्रोग्राम और नेशनल चाइल्ड हेल्थ प्रोग्राम के साथ मिलकर की गई। यह कैंप स्वास्थ्य विभाग डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अशोक नंदापुरकर और सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार की गाइडेंस में लगाया गया था। खास बात यह है कि सभी मेडिकल सर्विस एक ही जगह पर दी गईं। ऑडियो थेरेपी, स्पीच थेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, फिजियोथेरेपी, साइकोलॉजिकल टेस्टिंग के साथ-साथ स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट EEG मशीन का इस्तेमाल करके ब्रेन की जांच की गई। न्यूरोसर्जन डॉ. दीपक ऐवले ने मरीज़ों को एक्सपर्ट गाइडेंस दी और उनके डाउट्स को डिटेल में क्लियर किया।

नेशनल चाइल्ड हेल्थ प्रोग्राम के तहत, ठाणे जिले के अलग-अलग हिस्सों से 0 से 18 साल के कुल 65 बच्चों की जिला लेवल पर जांच की गई और उन्हें ज़रूरी मेडिकल गाइडेंस दी गई।गाइडेंस पर बात करते हुए, डिप्टी डायरेक्टर डॉ. अशोक नंदापुरकर ने बताया कि मिर्गी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मरीज़ों को समय पर इलाज मिलना बहुत ज़रूरी है।सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि एक ही जगह पर सभी सुविधाएं देना स्वास्थ्य विभाग के लिए एक बड़ी छलांग है और इस बात पर ज़ोर दिया कि यह पहल सोशल वेलफेयर का एक असरदार मॉडल है।इस प्रोग्राम में अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. धीरज महंगड़े, डॉ. मृणाली राहुड, डॉ. अर्चना पवार, डॉ. विजय तेली, मैट्रन प्रतिभा बर्डे विनोद जोशी के साथ-साथ मेडिकल अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

कानूनी जानकारी के साथ ट्रैफिक नियमों की जानकारी

ठाणे. महाराष्ट्र स्टेट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी, मुंबई के निर्देशों के अनुसार, जिला लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी, ठाणे ने रविवार, 22 फरवरी को वी. एन. बेडेकर ठाणे कॉलेज के परिसर में नागरिकों के लिए एक ही छत के नीचे एक बड़ा महाशिविर आयोजित किया, ताकि सरकार की अलग-अलग योजनाओं की जानकारी दी जा सके और उन्हें सीधा फायदा पहुंचाया जा सके।इस पहल में, ठाणे ट्रैफिक विभाग के कमरे में ट्रैफिक नियमों की जानकारी के लिए नागरिकों को तुरंत जवाब मिला।इस प्रोग्राम में चीफ डिस्ट्रिक्ट सेशंस जज श्रीनिवास अग्रवाल, बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस मंजुषा देशपांडे और ठाणे डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी के सेक्रेटरी रवींद्र पजंकर शामिल हुए।कैंप में नागरिकों को फ्री लीगल सर्विसेज़, लीगल एड और शिकायत निवारण के बारे में डिटेल में गाइडेंस दी गई। सरकार की अलग-अलग भलाई की योजनाओं की जानकारी भी दी गई और सीधे फायदे बताए गए। ट्रैफिक नियम तोड़ने पर काटे गए ई-चालान सिस्टम के काम करने का तरीका और नेशनल लोक अदालत के ज़रिए 14 करोड़ रुपये की वसूली के बारे में बताया गया, जिसमें झगड़े सुलझाने के दूसरे तरीकों की अहमियत बताई गई। कैंप में ठाणे शहर ट्रैफिक विभाग की तरफ से बनाया गया खास कमरा और एग्जीबिशन लेन खास आकर्षण थे। पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण के कहने पर, ट्रैफिक पुलिस के उपायुक्त पंकज शिरसाट की देखरेख में ट्रैफिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौजूद लोगों को ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूक किया। एक नया आइडिया यह भी अपनाया गया कि उस पर कंक्रीट की सड़क जैसी कालीन बिछाई जाएगी ताकि पैदल चलने वाले चलते समय ट्रैफिक नियमों को समझ सकें।

BAMMC विद्यार्थियों ने लिया मीडिया जगत का अनुभव

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय के बीएएमएमसी विभाग के विद्यार्थियों ने मुंबई स्थित 'लोकल बंधन' मीडिया चैनल का शैक्षणिक अध्ययन दौरा कर मीडिया क्षेत्र के प्रत्यक्ष कार्यों का समृद्ध अनुभव प्राप्त किया।

इस दौरे का उद्देश्य विद्यार्थियों को मीडिया उद्योग की तकनीकी प्रक्रियाओं, व्यावसायिक कौशलों और बदलते डिजिटल रुझानों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। चैनल के प्रमुख तथा प्रसिद्ध मेंटर सागर पगार ने विद्यार्थियों को मीडिया क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, चुनौतियों और करियर के विविध आयामों के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

विद्यार्थियों को कंटेंट प्लानिंग, समाचार संकलन, स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, एंकरिंग, ग्राफिक डिज़ाइन तथा एडिटिंग प्रक्रिया के बारे में व्यावहारिक उदाहरणों सहित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विशेष रूप से, स्टूडियो में विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष रूप से पॉडकास्ट की प्रक्रिया भी कराई गई। लाइटिंग, साउंड सिस्टम, कैमरा सेटअप, वीडियो स्विचिंग और ग्राफिक्स समन्वय जैसी तकनीकी प्रक्रियाओं का अनुभव लेकर विद्यार्थियों ने प्रसारण के पीछे होने वाली टीमवर्क और तकनीकी सटीकता के महत्व को समझा।

विद्यार्थियों ने न्यूज़ प्रोडक्शन की संपूर्ण श्रृंखला — समाचार की संकल्पना से लेकर अंतिम प्रसारण तक — को नज़दीक से देखा। साथ ही, स्पर्धात्मक वातावरण में तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन तथा सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर भी विशेष मार्गदर्शन दिया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के उपप्राचार्य एवं बीएएमएमसी समन्वयक डॉ. दीपक गवादे, प्रा. डॉ. सुवर्णा अहिरे तथा प्रा. डॉ. हर्षदा दरेकर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के लिए प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी एवं आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। समग्र रूप से यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी, ज्ञानवर्धक और करियर की दृष्टि से मार्गदर्शक सिद्ध हुआ तथा 'सीखते हुए अनुभव' की अवधारणा को साकार किया।

ऑटो में बुजुर्ग महिला से 51 हजार की चोरी

डोंबिवली. मानपाडा पुलिस स्टेशन में 65 वर्षीय महिला के साथ चोरी का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता रंजना रविंद्र दहीवलीकर (65), निवासी नेरळ, जिला रायगढ़, 20 फरवरी को दोपहर करीब 3 बजे के बीच डोंबिवली रेलवे स्टेशन से अरुणकुमार वैद्य चौक, गांधीनगर (पूर्व) की ओर ऑटो रिक्शा से जा रही थीं। उसी दौरान उनके बगल में बैठी 30 से 35 वर्ष की एक अज्ञात महिला, जिसने क्रीम रंग का पंजाबी ड्रेस पहन रखा था और साथ में एक छोटा बच्चा था, ने मौका पाकर उनके बैग से सोने की चेन, 1,200 रुपये नकद और चाबियों वाला छोटा पर्स चोरी कर लिया। चोरी गए सामान की कुल कीमत 51,200 रुपये बताई गई है।

हिंद की चादर पहल के तहत ठाणे के गुरुद्वारे में हेल्थ कैंप लगाया गया

ठाणे। श्री गुरुतेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहादत की सालगिरह के मौके पर हिंद की चादर पहल के तहत, ठाणे मनपा ने आज ठाणे के एक गुरुद्वारे में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर लगाया।इस कैंप में ठाणे मनपा के उपायुक्त उमेश बिरारी,सहायक आयुक्त सोपान भाईक, पूर्व नगरसेवक गुरमुख सिंह स्यान मौजूद थे।यह स्वास्थ्य शिविर ठाणे में एक्सप्रेसवे के किनारे तीन हात नाका पर बने एक गुरुद्वारे में लगाया गया था।शिविर में लोगों का ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और प्राइमरी हेल्थ चेक-अप किया गया।कैंप को गुरुद्वारे में आने वाले सिख भाइयों से अचानक रिस्पॉन्स मिला। ऑर्गनाइज़र ने बताया कि यह पहल आम लोगों को स्वास्थ्य के बारे में अवेयर करने और समय पर चेक-अप कराकर बीमारियों का पता लगाने के मकसद से शुरू की गई थी। इस मौके पर बताया गया कि हिंद की चादर पहल के ज़रिए सोशल,स्वास्थ्य और पब्लिक अवेयरनेस प्रोग्राम लगातार चलाए जा रहे हैं, और ऐसी पहलों से समाज के अलग-अलग तबकों को सीधा फ़ायदा हो रहा है।

शास्त्रीय नृत्य गांव तक ले जाऊंगी -मीनाक्षी शेषाद्री

- **30 साल बाद खरगोन में दूसरी पारी का ऐलान**
- **कहा- भविष्य को लेकर बहुत उत्सुक**

फिल्म अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्री शनिवार शाम 5:30 बजे खरगोन पहुंची। वे नवग्रह मेले के समापन पर शास्त्रीय शास्त्री नृत्य प्रस्तुति में शामिल हो रही हैं।

खरगोन पहुंचने पर 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री मीनाक्षी ने कहा कि वह बॉलीवुड में 30 साल के ब्रेक के बाद अपनी दूसरी पारी के लिए तैयार हैं। भरतनाट्यम थोड़ा मुश्किल जरूर है लेकिन इस विशेष तरीके से किया जाए तो गांव तक के लोग आसानी से समझ सकते हैं।

वे लेवल 1 व लेवल 2 सिटी से लेकर हिंदुस्तान के गांव तक शास्त्रीय संगीत को पहुंचाना चाहती है। खरगोन से इसकी शुरुआत कह सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसे परिवार में जन्मी जहां संगीत, नृत्य, अभिनय, शास्त्रीय ज्ञान व संस्कृत प्रचलित रहा। उसे वजह से मैं चलने से पहले नृत्य करना सीख लिया। मेरी मां ही मेरी गुरु थी भरतनाट्यम शैली में।

पूर्व मिस इंडिया मीनाक्षी ने बताया दिल्ली में जब स्कूल की 12वीं कक्षा में थी तब मजाक में ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भाग ले लिया था आश्चर्य की बात थी कि मिस इंडिया भी चुन ली गई। उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। फौरन कई फिल्म भी ऑफर हो गई।

मेरे पापा अंग्रेजी में समझाते थे सक्सेस इस एपीसी। ए मतलब एबिलिटी यानी योग्यता। बी यानी ब्रेक। यानी अपॉर्चुनिटी का सही दरवाजे से दस्तक देना। सी मतलब करेज यानी आत्म शक्ति, आत्मविश्वास व बड़ी शक्ति में विश्वास। मेरे सफर में यह तीन बातें सम्मिलित थी। 80-90 के दशक में 80 से 90 फिल्में की थी जिसमें हिंदी भाषा के अलावा तमिल तेलुगू की फिल्में भी शामिल हैं। उसके बाद शादी कर USA चली गई। 30 साल के गैप के बाद मैं भविष्य को लेकर उत्सुक हूं।

महापौर ने 'रेबीज फ्री ठाणे' कैंपेन शुरू किया

ठाणे. शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को कंट्रोल करने के लिए, ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और एनिमल वेलफेयर ऑर्गनाइज़ेशन एक खास 'रेबीज फ्री' कैंपेन चला रहे हैं। आज म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने कैंपेन शुरू किया और प्लाक का अनावरण किया।इस मौके पर उपायुक्त मनीष जोशी, शिवसेना गट नेता पवन कदम,मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल,पशु अधिकारी डॉ. क्षमा शिरोडकर और रेबीज फ्री कैंपेन के लिए बनाई गई टीम मौजूद थी।इस स्कीम का नाम 'रेबीज फ्री ठाणे' है और इसके लिए 50 लोगों की एक खास टीम बनाई गई है।मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल ने बताया कि इस टीम के ज़रिए 7 दिनों में 5000 आवारा कुत्तों को रेबीज का टीका लगाया जाएगा। यह जानकारी दी।वैक्सीनेटेड आवारा कुत्तों के गले में ऑरेंज रिफ्लेक्टर बेल्ट बांधी जाएगी। डॉ. पाटिल ने बताया कि आने वाले महीने में 25,000 आवारा कुत्तों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य है और यह कैंपेन भविष्य में भी लगातार चलाया जाएगा।

मेट्रो कार शेड का मुआवज़ा दो वरना हम सड़कों पर उतरेंगे

- **घोड़बंदर मोघरपाड़ा मेट्रो कार शेड से ग्रसित लोगों का गुस्सा**

ठाणे. शहर में ट्रैफिक जाम कम करने के लिए मेट्रो का नेटवर्क तेज़ी से फैल रहा है।इस मेट्रो के कार शेड के लिए ठाणे में मोघरपाड़ा कार शेड की जगह तय हो गई है, लेकिन मोघरपाड़ा कार शेड की प्रस्तावित जगह पर अभी धान की खेती हो रही है और सरकार ने अभी तक स्थानीय किसानों को सिर्फ़ कागज़ों पर ही पेमेंट किया है। किसानों ने आज उस कार शेड के ख़िलाफ़ खेत में आग लगाकर विरोध जताया और कहा कि अगर हमें सही पेमेंट नहीं किया गया तो हम इस जगह पर खेती नहीं करेंगे। यही हमारा रोज़गार है। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर समय मिला तो वे सड़कों पर उतरेंगे। इसलिए, उन्होंने खेत में आग लगाकर और ट्रैक्टर चलाकर सरकार के ख़िलाफ़ अपना विरोध जताया है। नौकरियों में बच्चों को प्राथमिकता दें। 5 एकड़ ज़मीन पर स्कूल और कॉलेज बनाएं और मेट्रो में ज़रूरी सेवाओं के लिए सही ट्रेनिंग दें। 100 परसेंट लोकल लोगों को नौकरी दी जानी चाहिए। किरण रामकृष्ण पाटिल, संजय पाटिल, निखिल ठाकुर और गांववालों ने मांग की कि उन्हें प्रायोरिटी दी जाए।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099